गाँधी दर्शन के विविध आयाम

सम्पादक

डॉ. कैलाश चन्द गुर्जर

सहायक आचार्य, इतिहास विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)

लिट्रेरी सर्किल

ISBN : 978-81-956793-0-0

© : सर्वाधिकार लेखकाधीन

प्रथम संस्करण : 2022

मूल्य : 995 /-

प्रकाशक

लिट्रेरी सर्किल

सी–13, प्रथम तल,
खण्डेलवाल गर्ल्स कॉलेज के सामने,
संसार चन्द्र रोड़, जयपुर–302001
ई–मेल : literarycirclejpr@yahoo.com
फोन न.– 0141-2376922, 4004330

लेखक का सर्वाधिकार सुरक्षित है। लेखक एवं प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को नहीं छापा जा सकता है। पुस्तक के किसी भी भाग इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, मैग्रेटिक, सीडी, टेप, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य माध्यम पर प्रकाशक एवं लेखक का पूर्वानुमति के बिना संग्रहीत तथा प्रसारित नहीं किया जा सकता है। पुस्तक में व्यक्त किये गये विचार लेखक के निजी विचार हैं जिनके लिए सम्पादक उत्तरदायी नहीं है।

मुद्रक : शीतल ऑफसेट

अनुक्रमणिका

क्र.स.	अनुक्रम	पृष्ठ संख्या
	सम्पादकीय	1-2
	अनुक्रमणिका	3-5
	सहयोगी लेखक सूची	6-9
1.	हिन्दी के विकास में महात्मा गाँधी का योगदान प्रो. मीना गौड़	1-9
2.	आधुनिक हिन्दी साहित्य में गाँधीवादी सिद्धान्त और मूल्य डॉ. चन्द्र प्रकाश शर्मा	10-16
3.	क्या आज भी प्रासंगिक हैं गाँधीजी ? प्रो. सुरेन्द्र कटारिया	17-22
4.	गाँधीजी का लोकतांत्रिक चिन्तन और स्वराज डॉ. रश्मि गुर्जर	23-26
5.	गाँधीजी, कल्याणकारी राज्य और भारतीय लोकतंत्र डॉ. कैलाश चन्द गुर्जर	27-32
6.	महात्मा गाँधी का राजनीतिक दर्शन : समकालीन विश्व की आवश्यकता डॉ. सुनीता मीना	33-41
7.	महात्मा गाँधी और हिंदू धर्म डॉ. मनीष श्रीमाली	42-48

8. गाँधीजी, खादी और स्वराज
डॉ. रजनी धाभाई 49-57

9. गाँधीजी के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विचार
डॉ. राजू सिंह, डॉ. दीपा सोनी, डॉ. विद्या मेनारिया 58-71

10. गाँधी का स्वराज तथा गाँधी दर्शन की वर्तमान में प्रासंगिकता
जगराम गुर्जर 72-83

11. वर्तमान युग में गाँधी दर्शन की उपादेयता
कविता वर्मा 84-87

12. सामाजिक समस्याएँ और गाँधी दृष्टि
उमेश कुमार 88-92

13. गाँधीजी के सत्याग्रह का समाजशास्त्र
डॉ. राकेश राणा 93-100

14. इक्कीसवीं सदी में गाँधीजी के स्वराज की प्रासंगिकता
सुमन गुर्जर 101-104

15. गाँधीवाद का उदय एवं स्वराज की नींव–चम्पारण सत्याग्रह
डॉ. अश्विन झाला 105-108

16. महात्मा गाँधी का सर्वोदय और सत्याग्रह
डॉ. राजू सिंह, डॉ. विद्या मेनारिया 109-121

17. महात्मा गाँधी की ग्राम स्वराज की अवधारणा
मुकेश कुमार गुर्जर 122-138

18. गाँधीजी के आर्थिक विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता
डॉ. बालूदान बारहठ 139-145

19. गाँधीजी की बुनियादी शिक्षा और नई शिक्षा नीति 2020 :
एक तुलनात्मक अध्ययन
विजयपाल गुर्जर 146-150

20. गाँधीजी एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था
उदय सिंह 151-157

21. Social Philosophy of Mahatma Gandhi: Perspectives of Untouchability
Prof. Pratibha 158-164

22. Swaraj and Gandhian Sartorial Morality
Dr. (Mrs.) Sajjan Poswal, Vatsal Gurjar 165-172

23. Atma Nirbhar Bharat and Gandhian Economic Thought: An Analytical Study in the Present Contexts
Vinita Rajpurohit 173-188

24. Influence of Gandhism on Munshi Premchand's Writings: Swaraj, Swadeshi and Boycott
Dr. Manisha Pandey Tiwari 189-199

25. Foreign Policy of Independent India and Gandhism
Dr. Ajay Mochi 200-204

26. Gandhi's Early Nationalist Thoughts
Pranjal Sharma Bashishtha 205-212

27. The Global Personality of Mahatma Gandhi and Greece
Dr. Dimitrios Vassiliadis 213-225